UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A.Honours/GeneralPart-III Examination, 2020

COMPULSORY HINDI

PAPER-HINM-MIL(REVISED NEW SYLLABUS)

Time Allotted: 1 Hour | Full Marks: 25

The figures in the margin indicate full marks.

The word limit mentioned below against each question to be strictly followed by the students: 4 marks-60 words / 5 marks-100 words / 8 marks-220 words.

खण्ड-क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5×2 = 10

(क) निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए –

''सम्प्रदायवाद और राजनीतिक जातिवाद में एक समानता ध्यान देने योग्य है। सम्प्रदायवाद की तरह ही पिछड़ा वर्गवाद या अन्य किसी भी प्रकार का राजनीतिक जातिवाद भी वर्गीय एकता को तोड़ने का काम करता है। इस प्रकार वह जन-तांत्रिक मूल्यों का विरोधी है। लेखक को इससे सावधान रहना होगा। आतंक और संकीर्णता दोनों ही लेखकों के लिए विजातीय है। यही कारण है कि हिंदी ही नहीं समग्र भारतीय साहित्य की विराट परंपरा एवं विरासत में कहीं भी धर्मांधता या कट्टरतापन नहीं दिखाई पड़ता। मनुष्यता, मानवीय संवेदना रचना के लिए जरुरी है। लेकिन सम्प्रदायवाद और जातिवाद दोनों ही उनका निषेध करते हैं।''

(ख) भाव-पल्लवन कीजिए –
''बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताय।''

(ग) एक अच्छे विज्ञापन के प्रमुख गुणों की चर्चा कीजिए।

(घ) विज्ञप्ति का एक उदाहरण लिखिए।

(ङ) अपने महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेल-कार्यक्रम का वर्णन करते हुए अपने पिता को पत्र लिखिए।

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पारिभाषिक शब्दावलियों के हिंदी रूप लिखिए।
Forfeiture, Working Capital, Bank Guaranty, Crossing, B.Sc., Microbiology, Panel.

खण्ड-ख

2. निम्नलिखितमें से किसीएकप्रश्न का उत्तर दीजिए – 5

(क) कबीर की भक्ति भावना में नाम-स्मरण का महत्त्व समझाइए।

(ख) बिहारी की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।

(ग) 'ध्वनि' कविता की मूल संवेदना अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न काउत्तर दीजिए – 5

(क) प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ख) 'ठेस' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

3. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 5

(क) एक भरोसो एक बल, एक आस बिस्वास।

एक राम घनश्यामहित, चातक तुलसीदास।

अथवा

(ख) ''अराति सैन्य सिंधु में सुवाड़वाग्नि से जलो,

प्रवीर हो जयी बनो–बढ़े चलो बढ़े चलो।''

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 5

(क) ''..... कन्हैयालाल को लगा जैसे हमलोग इतिहास के झुटपुटे में जी रहे हैं। आपसी रिश्तों का पन्ना पलटा जा रहा है, दूसरा खुल रहा है। इस अगले पन्ने पर जाने हमारे लिए क्या लिखा होगा।''

अथवा

(ख) ''मनुष्य मृत्यु को असुंदर ही नही, अपवित्र भी मानता है। उसके प्रियतम आत्मीय-जन का शव भी उसके निकट अपवित्र, अस्पृश्य तथा भयजनक हो उठता है। जब मृत्यु इतनी अपवित्र और असुंदर है, तब उसे बाँटते घूमना क्यों अपवित्र और असुंदर कार्य नहीं है, यह मैं समझ नहीं पाती।''

——×——